हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

पृष्ठ संख्या.... 2

❒ वर्ष-8 ❒ अंक-1 जयपुर, सोमवार 1 जनवरी, 2023 ❒ एक प्रति 5 रुपये ❒ कुल पृष्ठ-4

सम्पादक की कलम से...

नूतन वर्ष 2024 के आगमन पर सभी पाठकों को हार्दिक बधाई। 2024 के प्रारंभ होने के साथ ही हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र महानगर स्तंभ का अपने अष्टम साल में प्रवेश हुआ है। महानगर स्तंभ की शुरूआत सात बरस पहले 01 जनवरी 2017 को हुई थी। प्रथम अंक से ही हमारे सभी प्रबुद्धजन पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं के साथ और सहयोग के कारण महानगर स्तंभ निरन्तर आगे बढ़ता रहा। प्रथम अंक से लेकर आज तक सदैव ही पाठकों ने महानगर स्तंभ के प्रति विषेश लगाव एव अपनापन बनाए रखा। समाचार पत्र के द्वारा भी सभी की उम्मीदों के अनुसार ही कार्य किया गया। समाचार पत्र के साथ जुड़े सभी पाठकों, चिंतकों तथा बुजुर्गों के साथ, मार्गदर्शन, स्नेह और अपनेपन ने समाचार पत्र को विशिष्ट बनाया। बीते सात सालों के दौरान समाचार पत्र द्वारा हमेशा ही विभिन्न अवसरों एवं त्योंहारों तथा आयोजनों पर विविध सामग्री, आलेख तथा विशेषांक प्रकाशित किए। पाठकों के आलेख एवं कविताएं, विचार भी प्रकाषित किए। पाठकों के लिए समाचार पत्र हमेशा ही उपयोगी एवं रूचिपूर्ण रहा। पाठकों के सुझावों एवं मार्गदर्शन के कारण समाचार पत्र पाठकों को हमेशा रूचिकर अखबार प्रदान कर अपनी विशिष्ट जगह बनाए रखने में सफल रहा। कोरोनाकाल जैसे मुश्किल दौर में भी पाठकों का लगातार स्नेह समाचार पत्र को मिलता रहा। इसके लिए समस्त पाठकों समाचार पर साधुवाद करता है। अनवरत सफलतापूर्वक सात साल पूरे होने पर महानगर स्तंभ हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र अपने सभी प्रबुद्धजन पाठकों, विज्ञापनदाताओं तथा शुभचिंतकों के असीम प्यार और अपनेपन के लिए बहुत बहुत आभार व्यक्त करता है। महानगर स्तंभ समाचार पत्र के प्रति सभी का जुड़ाव इसी तरह लगातार बना रहे।

भव्य शपथ ग्रहण समारोह में भजनलाल शर्मा ने ली प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में राज्यपाल कलराज मिश्र ने 15 दिसम्बर को रामनिवास बाग में आयोजित भव्य समारोह में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री के पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रदेशभर से पधारे साधु-संतों ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को आशीर्वाद दिया। शपथ ग्रहण समारोह में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितीन गडकरी, केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, सांसद जेपी नड्डा, सी.पी. जोशी, रामचरण बोहरा, अरूण सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अशोक गहलोत, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, नागालैंड के उप मुख्यमंत्री यानथुंगो पैतन सहित वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मिलित हुए। शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित विधायक और अपार जनसमूह उपस्थित रहा। शपथ ग्रहण समारोह से पूर्व पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन का वादन हुआ। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने शपथ ग्रहण से संबंधित कार्यवाही का संचालन किया। बाद में सभी ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का अभिनंदन करते हुए उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमओ में संभाला पदभार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शपथ ग्रहण करने के बाद शाम को शासन सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना करते हुए पदभार संभाला। इस अवसर पर केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद सी.पी. जोशी, रामचरण बोहरा, विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, दीप्ति किरण माहेश्वरी, महंत बालमुकुंदाचार्य, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव उषा शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अभिवादन कर स्वागत किया।

महानगर स्तंभ समाचार पत्र परिवार की ओर से

सभी पाठकों शुभचिंतको एवं विज्ञापनदाताओं को नववर्ष की

हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

राज्यपाल मिश्र ने 12 केबिनेट एवं 10 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने 30 दिसम्बर को राजभवन में आयोजित भव्य समारोह में 12 केबिनेट एवं 10 राज्य मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्य मंत्रियों में 5 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार सम्मलित हैं। राष्ट्रगान से प्रारंभ हुए शपथ ग्रहण समारोह से पहले मुख्य सचिव उषा शर्मा ने राज्यपाल मिश्र से शपथ दिलवाने के लिए अनुमति ली। राज्यपाल मिश्र द्वारा मंत्री परिषद सदस्यों को अपने नाम के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ से पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शपथ लेने वाले मंत्रियों का नाम पुकारा। राज्यपाल मिश्र ने आरंभ में 12 को केबिनेट मंत्री के पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने 5 को राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार की और 5 को राज्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन मुख्य सचिव उषा शर्मा ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में राज्य मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों ने हिन्दी भाषा में ईश्वर को साक्षी मानकर पद और गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मंत्री परिषद सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा और उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने भी शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को बधाई शुभकामनाएं दी। शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित विधायकों सहित प्रशासनिक, पुलिस व न्यायिक सेवा के अधिकारियों के साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे।

घनश्याम विजयवर्गीय
(एडवोकेट) राज. उच्च न्यायालय
मो: 9352739871, 8764328592
सभी देशवासियों को नववर्ष की मंगलकामनाओं सहित
हार्दिक शुभकामनाएं

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज गुप्ता
(चेयरमैन)
फ्लेम्स इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज
मो: 9413344446

संपादकीय

इंडिया गठबंधन की बैठकों कुछ परिणाम भी निकलेगा

आज दुनियाभर में लोकतंत्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। भारत में विपक्ष की नकारात्मक स्थितियों के कारण यह संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका कारण है विपक्ष से जुड़े संस्थानों, राजनीतिक हस्तियों और लोकतांत्रिक निर्णयों का आधार बनने वाली प्रणालियों पर धीरे-धीरे कम हो रहा भरोसा। संसदीय अवरोध, विपक्षी दलों के 143 सांसदों के निलम्बन एवं उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने की घटनाओं से आक्रामक हुए राजनैतिक माहौल के बीच 28 पार्टियों का इंडिया गठबंधन विपक्षी दलों के साथ चौथी बार फिर से दिल्ली में एक छत के नीचे आया। बैठक का उद्देश्य था कि विपक्षी दलों के बीच सीट शेयरिंग एवं संयोजक के नाम पर सहमति सहित कई मुद्दों पर एक राय कायम करना। लेकिन इंडिया गठबंधन की इस बैठक में दल भले ही आपस में मिले, लेकिन दिल नहीं मिल पाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिये सशक्त विपक्ष बहुत जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों की संकीर्ण सोच, सिद्धान्तविहीन राजनीति एवं सत्ता लालसा ने विपक्ष की राजनीति को नकारा कर दिया है। सोचा गया था कि इंडिया गठबंधन विपक्ष से जुड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी की लौ को फिर से प्रज्वलित कर सकेगा और ऐसी सोच एवं राजनीतिक प्रणाली का निर्माण करेगा जो वास्तव में लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए हो। लेकिन ऐसा न होना इंडिया गठबंधन की बड़ी असफलता है और आने वाले वर्ष 2024 के लोकसभा में उसकी भूमिका अस्पष्ट सी होती हुई नजर आ रही है। क्योंकि चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में एकजुटता की बातें हवा हो रही हैं। न संयोजक और न ही प्रधानमंत्री और न ही नरेन्द्र मोदी के सामने कौन चुनाव लड़े, के नाम पर सहमति बन पायी है। आज दुनियाभर में लोकतंत्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। भारत में विपक्ष की नकारात्मक स्थितियों के कारण यह संकट ज्यादा बढ़ा है।

राष्ट्रीय महत्व के स्मारक

देश में 3,697 प्राचीन स्मारक, पुरातात्विक स्थल और अवशेष राष्ट्रीय महत्व के घोषित किए गए हैं। इसका ब्यौरा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। स्मारकों और स्थलों की घोषणा प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 की धारा 4 के अंतर्गत की जाती है। केंद्र सरकार किसी भी प्राचीन स्मारक को, जो पुरातात्विक, ऐतिहासिक या वास्तुशिल्प रूप से राष्ट्रीय महत्व के होने की योग्यता रखता है, जनता से विचार/आपत्तियां आमंत्रित करके दो महीने का नोटिस देती है और स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने इरादे की अधिसूचना जारी करती है। निर्धारित अवधि में प्राप्त विचारों/आपत्तियों पर विचार करने के बाद, केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में एक अधिसूचना प्रकाशित करके प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित कर सकती है। पिछले पांच वर्षों में देश के स्मारकों और राष्ट्रीय महत्व के स्थलों के संरक्षण, बचाव और रखरखाव पर काफी व्यय किया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ओडिशा सहित पूरे देश में आवश्यकता, प्राथमिकता और संसाधनों के अनुसार राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों और पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का संरक्षण, बचाव और रखरखाव करता है। इसके अलावा, स्मारकों में बुनियादी सुविधाएं और आगंतुक सुविधाएं जैसे रास्ता, संकेतक, आगंतुक बेंच, दिव्यांगों के लिए सुविधाएं, ध्वनि एवं प्रकाश शो, रोशनी, स्मारिका की दुकानें आदि प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, स्मारकों में और उनके आस-पास भूदृश्य निर्माण और पर्यावरणीय विकास निरंतर चलने वाला कार्य है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय की विशेषताएं

प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन 14 अप्रैल, 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। यह भारत के सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को मान्यता प्रदान करता है और दिखाता है कि किस तरह हमारे लोकतंत्र ने समाज के हर वर्ग और स्तर के नेताओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर प्रदान किया है। यह दो इमारतों में फैला एक नया डिजिटल संग्रहालय है। पहली बिल्डिंग में पुरानी तीन मूर्ति इमारत, जवाहरलाल नेहरू की गैलरी, संविधान गैलरी, तोशखाना और जवाहरलाल नेहरू की निजी शाखा सम्मिलित है। दूसरी बिल्डिंग लाल बहादुर शास्त्री से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक के बाद के प्रधानमंत्रियों के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सुधारों के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन को भी प्रदर्शित करता है। प्रत्येक गैलरी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा किए गए योगदान पर प्रकाश डालती है। प्रधानमंत्री संग्रहालय अनुभूति नामक एक आगंतुक सहभागिता क्षेत्र से सुसज्जित है, जहां आगंतुक प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी, प्रधानमंत्री के साथ चलो, प्रधानमंत्री का पत्र और एक वर्चुअल हेलीकॉप्टर सवारी का विकल्प चुन सकते हैं, जो राष्ट्र की वास्तुशिल्प तथा तकनीकी उत्कृष्टताओं को प्रदर्शित करती हैं। आगंतुक उस प्रधानमंत्री को चुन सकते हैं जिसके साथ वे सहभागिता क्षेत्र में सम्मिलित होना चाहते हैं। आगंतुक विजन 2047 फीडबैक वॉल पर अपना प्रेरणादायक संदेश दर्ज करा सकते हैं और साथ ही यूनिटी चेन में समूह में एक बड़ी दीवार पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। संग्रहालय में लोगों के सुचारू आवागमन के लिए गोल्फकार्ट और व्हील चेयर, गाइड/ऑडियो गाइड, कैफेटेरिया और एक स्मारिका दुकान भी है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम- ई कॉमर्स व डिजिटल ट्रैड के युग मे उपभोक्ता संरक्षण थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देवेन्द्र कच्छावा, अध्यक्ष, राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि वर्तमान ऑनलाईन बाजार से उपभोक्ता को जहाँ एक ओर चुनने की सुविधा व समय की बचत हुई है वहीं ठगी की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को ऑनलाईन खरीद में जागरूक रहने व सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपभोक्ता हित में उपभोक्ता संगठनों व वकीलों की भी भूमिका की महत्ता बताई। इससे पूर्व उपभोक्ता मामले के निदेशक नवनीत कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उपभोक्ता संरक्षण पर भारत में वैदिक युग से ध्यान दिया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि ई-कॉमर्स के दौरान भ्रामक विज्ञापनों से बचने के लिए सावधानीपूर्वक खरीदारी की जानी चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उपभोक्ता हितों में किए गए नवाचारों पर भी प्रकाश डाला। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के रजिस्ट्रार अशोक शर्मा ने राज्य आयोग द्वारा परिवाद निस्तारण की प्रगति से अवगत करवाया। कार्यक्रम के समापन पर उप निदेशक उपभोक्ता मामले ने आर ए एस क्लब में उपस्थित सभी सुधी श्रोताओं व वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राधास्वामी ब्यास के सत्संग में पहुंचे मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 24 दिसम्बर को बीलवा स्थित राधास्वामी सत्संग ब्यास केन्द्र पहुंचे। उन्होंने राधास्वामी ब्यास के डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों के सत्संग में शिरकत कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से मुलाकात कर आध्यात्म, सामाजिक मूल्यों, समाज में व्याप्त कुरीतियों आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर सांसद रामचरण बोहरा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सभी देश वासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं

विकास खण्डेलवाल
अधिवक्ता
मो: 9460601947

राजेन्द्र माहेश्वरी
की ओर से सभी देशवासियों को
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
गुप्ता ट्रेडर्स
प्लास्टिक, कटलरी एवं हॉजरी में हजारों आईट्मों के होलसेल विक्रेता
शॉप नं. 2175, पहले चौराहे से पहले, राजाशिवदास जी का रास्ता
चौगान स्टेडियम के सामने, गणगौरी बाजार, जयपुर

क्रिएटिव स्टडी प्वाईंट की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Since 2006
CSP
Creative Study Point
नींव से निर्माण तक
Batches Start
CREATIVE STUDY POINT
11th & 12th (Physics, Chemistry, Bio & Maths)
11th & 12th (Commerce)
Separate Batches For Both Medium
9th & 10th (Science, Maths, English, S.St)
B.Sc (Maths & Physics)
Mob. 9414795238
9829033204
Add. P.No. 10, Krishna Colony, Near Modal School, Ramgarh Mode, Jaipur

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SHAH EDUCOM
A UNIT OF RIGHT VISION COMPUTER INSTITUTE
SYNONYM OF QUALITY EDUCATION
222, RAY COLONY, HASANPURA-C, KHATIPURA ROAD, JAIPUR
Ph. 2221152 • Mob. : 9024450092, 7791944837 Email : shaheducomitgk@gmail.com
COMPUTER COURSE
BASIC • TALLY
DTP • C, C++, JAVA
COACHING CLASSES
1 to 10TH
MATHS & SCIENCE
COMMERCE CALSSES
11TH & 12TH
B.COM
BBA
BCA
TYPING CALSSES
HINDI / ENGLISH
(COMPUTER & TYPEWRITER)
TYPING BY SOFTWARE
TYPING CLASSES
FOR COMPETITION EXAM
RS-CIT
CCC
O-LEVEL
WI-FI CAMPUS
Teach By Best Faculty

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

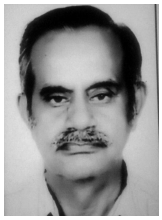

बृज मोहन मदान
(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 93513-60578

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!
तरूण टांक
आई.टी.वॉईस मीडिया प्रा.लि.
मो: 98292-54111

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कॉप28 जीवाश्म ईंधन से दूर जाने के आहवान के साथ सम्पन्न

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कॉप28 13 दिसम्बर को दुबई में सम्पन्न हुआ। समापन दिवस पर अन्तिम दस्तावेज में, जीवाश्म ईंधन पर अभूतपूर्व सन्दर्भ के साथ, देशों से ऊर्जा प्रणालियों को जीवाश्म ईंधन से दूर ले जाने, की दिशा में काम करने का आहवान किया गया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख, एंतोनियो गुटेरेश ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में दुनिया के अग्रणी योगदानकर्ता का उल्लेख कई वर्षों के बाद आया है, और इस वजह से अभी तक इस मुद्दे पर चर्चा अवरुद्ध थी। महासचिव ने इस बात पर बल दिया कि जीवाश्म ईंधन का युग, न्याय और समता के साथ समाप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷जिन लोगों ने कॉप28 के मसौदे में जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के स्पष्ट सन्दर्भ का विरोध किया, मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करना अपरिहार्य है, चाहे वे इसे पसन्द करें या नहीं. उम्मीद बस यह है कि इसमें बहुत देर न हो जाए।

वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन इस बार 30 नवम्बर से संयुक्त अरब अमीरात के सबसे बड़े शहर, दुबई में चल रहा था, इसका समापन 12 दिसम्बर को होना निर्धारित था, लेकिन रात भर इस मुद्दे पर गहन चर्चा चलती रही कि क्या अन्तिम दस्तावेज में, ग्रह को गर्म करने वाले तेल, गैस और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का आहवान शामिल होगा। यही वो मुख्य मुद्दा है, जिसने जलवायु पैरोकारों की नींद उड़ा रखी है, और जलवायु के प्रति संवेदनशील व लघु द्वीपीय देशों को कुछ बड़े देशों के विरोध में खड़ा कर दिया है। इसी मसले ने अतिरिक्त चर्चा के लिए सम्मेलन को आगे बढ़ाने पर मजबूर कर दिया। महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने अपने वक्तव्य में कहा कि विज्ञान स्पष्ट है कि 2025 के ऐतिहासिक पेरिस समझौते में निर्धारित प्रमुख लक्ष्यों में से एक, यानि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सैल्सियस तक सीमित करना, समस्त जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से खत्म किए बिना असम्भव होगा। कॉप28 में वार्ताकारों ने 2030 तक नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने की प्रतिबद्धताओं पर भी सहमति व्यक्त की। साथ ही, अनुकूलन और वित्त के मसलों पर भी प्रगति देखने को मिली। अनुकूलन और वित्त के सम्बन्ध में और भी प्रगति हुई, जिसमें हानि एवं क्षति कोष का संचालन भी शामिल है. हालाँकि वित्तीय प्रतिबद्धताएँ सीमित रहीं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर बल दिया कि संकट का सामना कर रहे लोगों को, जलवायु न्याय दिलाने के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है. ÷अनेक कमजोर देश कर्ज में डूबे हैं और उन्हें बढ़ते समुद्री स्तर में डूबने का खतरा है। यह समय वित्त बढ़ाने का है, जो अनुकूलन, हानि एवं क्षति तथा अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार आदि के लिए उपयोग किया जा सके।

जीवन रेखा, समाप्ति रेखा नहीं

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने कहा कि कॉप28 में वास्तविक प्रगति हुई है, लेकिन दुबई में घोषित पहल जलवायु कार्रवाई की जीवनरेखा है, अन्तिम रेखा नही। साइमन स्टील ने कहा कि देशों को अपनी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं को पेरिस समझौते के साथ संरेखित करने में मदद करने के उद्देश्य से हुई वैश्विक समीक्षा से स्पष्ट हुआ है कि प्रगति पर्याप्त तेजी से नहीं हो रही है, लेकिन उसने निस्सन्देह गति पकड़ी है।

सम्मेलन में विकासशील देशों की मदद के लिए तैयार किया गया हानि एवं क्षति कोष, कॉप28 के पहले दिन लागू कर दिया गया। देशों ने इस कोष के लिए करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। हरित जलवायु कोष के संसाधनों को दोबारा भरने के लिए 3.5 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता दोहराई गई। अल्प विकसित देशों के कोष (एलडीसी) और विशेष जलवायु परिवर्तन कोष (एससीसीएफ) के लिए कुल 15 करोड़ डॉलर से अधिक की नई घोषणाएँ, विश्व बैंक द्वारा जलवायु सम्बन्धी परियोजनाओं (2024 और 2025) के वित्तपोषण के लिए सालाना 9 अरब डॉलर की वृद्धि। लोगों के स्वास्थ्य को बढ़ते जलवायु प्रभावों से बचाने के कार्यों में तेजी लाने के लिए, लगभग 120 देशों ने कॉप28 जलवायु और स्वास्थ्य घोषणा का समर्थन किया। 130 से अधिक देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटते समय खाद्य सुरक्षा का समर्थन करने के लिए, कृषि, खाद्य एवं जलवायु घोषणा पर हस्ताक्षर किए। तात्कालिक प्रभाव से शीतलन सम्बन्धी उत्सर्जन को 68 प्रतिषत तक कम करने के लिए, 66 देशों द्वारा वैश्विक शीतलन संकल्प का समर्थन किया गया।

राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजनाओं का अगला दौर - या राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान - 2025 में होगा। इस दौर में, सभी देशों से अपनी कार्रवाई एवं प्रतिबद्धताओं में पर्याप्त वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। आर्मेनिया द्वारा अपनी दावेदारी वापस लेने के बाद, पूर्वी योरोपीय देशों का समर्थन प्राप्त करके, अजरबैजान को साल 2024 में, 11 से 22 नवम्बर तक होने वाले कॉप29 सम्मेलन का आधिकारिक मेजबान घोषित किया गया।

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

श्याम प्रकाश शर्मा
(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 9414077369

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

चन्द्र प्रकाश खेतानी
(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 99283-35592
93145-05592

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

दौलत त्रिलोकानी
(अध्यक्ष)
युवा जागृति संगठन
मो: 9982944038

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

जय कुमार जैन
(समाजसेवी) कालाडेरा वाले
मो: 9351055600

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

राजेश गुप्ता

(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 9309212401

महानगर स्तंभ समाचार पत्र के 7 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई !

सभी देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय

राजेश शर्मा
एवं
श्रीमती
चेतना शर्मा

एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय

iTVoice®

4th Edition
EXPO
2024

North India's Biggest IT Trade Fair

EARLY
BIRD
Discounts
Available*

WWW.EXPO.ITVOICE.IN +91-9829254111

*Available on first come first serve basis.
*Contact to get price quotes.

16th - 18th
February 2024

RIC
RAJASTHAN
INTERNATIONAL
CENTRE
JAIPUR, RAJASTHAN

iV
EXPO
2024

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com